an>

Title: Need to ensure uniform key-boards for Hindi typing for all types of 'Fonts' and also uniform signs and symbols for Hindi shorthand.

श्री प्रहलाद सिंह पटेल (दमोह) : मैं एक अति महत्व के विषय को सदन में उठाने की अनुमति चाहता हूँ जो कि देश की मातृभाषा हिन्दी के संबंध में है।

मेरे संज्ञान में लाया गया है कि हिंदी टाइपिंग और शार्टहैंड की लिपि को हर कुछ वर्षों के बाद बदल दिया जाता है जबकि अंग्रेजी भाषा की टाइपिंग और शार्टहैंड की लिपि वर्षों से एक ही है। लेकिन हिन्दी भाषा की टाइपिंग और शार्टहैंड की लिपियों में निरंतर परिवर्तन होता रहता है और यह पूरे विश्व क्या भारत में ही कई तरह से लिखी और टाइप की जाती है ।

हिन्दी की टाइपिंग कई फोन्ट्स पर आधारित है जिससे कि विद्यार्थी अनेक तरह के की-बोर्डस पर टाइपिंग सीखते हैं जो कि सर्वमान्य नहीं होती । इस वजह से विद्यार्थियों एवं हिन्दी भाषा-भाषियों को बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ता है और अपमानित भी होना पड़ता है ।

आजकल इंटरनेट में भी हिन्दी भाषा का बहुतायत में प्रचलन है, किन्तु इंटरनेट में भी इसी प्रकार की समस्या से आम जनता को दो-चार होना पड़ता है ।

अतः मेरा आग्रह है कि जिस प्रकार अंग्रेजी लिपि की टाइपिंग और शार्टहैंड एक ही है, उसी प्रकार हिन्दी की टाइपिंग और शार्टहैंड की लिपि एक जैसी होनी चाहिए जिससे कि हिन्दी जानने सीखने के इच्छुक विद्यार्थियों, कर्मचारियों और अधिकारियों को अपमानित न होना पडे और हिन्दी भाषा को हो रहे लगातार नुकसान से बचाया जा सके ।